SEM - IV (COURSE - 10)

Creating An Inclusive Educe school

Unit I - Meaning And Scope of Inclusive Education/ Special Education

Meaning of Inclusive Education → समावेशी शिक्षा वह शिक्षा है, जिसके

समावेशी शिक्षा का अर्थ (समेकित)

द्वारा विशिष्ट क्षमता वाले बालक जैसे मन्दबुद्धि, अन्धे बालक, बहरे बालक तथा प्रतिभाशाली बालकों को ज्ञान प्रदान किया जाता है।

समावेशी शिक्षा के द्वारा सर्वप्रथम बालों के बौद्धिक शैक्षिक स्तर की जाँच की जाती है इसके बाद उन्हें दी जाने वाली शिक्षा का स्तर निर्धारित किया जाता है।

स्टीफन तथा ब्लैकहर्ट के अनुसार

"शिक्षा की मुख्य धारा का अर्थ बाधित (पूर्ण रूप से अपंग नहीं) बालकों की सामान्य कक्षाओं में शिक्षण व्यवस्था करना है। यह समान अवसर मनोवैज्ञानिक सोच पर आधारित है जो व्यक्तिगत योजना के द्वारा उपयुक्त सामाजिक मानकीयकरण और अधिगम को बढ़ावा देती है।"

Mainstreaming is the Education of mildly handicapped children in the regular classroom. It is based on the philosophy of 'equal opportunity' that implemented through individual planning to

promote appropriate learning achievement and social normalization."

stephen and Blackhurst

Meaning of Special Education (Exceptional) विशिष्ट या असाधारण बालक का अर्थ

शिक्षा मनोविज्ञान में सामान्यतः, विशिष्ट या असाधारण बालक उन बालकों को कहा जाता है जो विभिन्न तरह के शीलगुणों में सामान्य बच्चों से अलग होते हैं। परिणाम स्वरूप शिक्षकों को इन्हें विशेष शिक्षा (Special Education) का प्रबन्ध करना पड़ता है।

सैमुअल ए. किर्क के अनुसार - "विशिष्ट बालक वह बालक है जो सामान्य बालकों से शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक व संवेगात्मक विशेषताओं से भिन्न होता है और उसके गुणों को अधिकतम सीमा तक विकसित करने के लिए विशेष कला का प्रबन्ध करना पड़ता है।"

According to Heward & Orlansky -

"Exceptional is an inclusive term that refers to any child whose performance deviates from the norm, either below or above to such an extent that special education programming is indicated."

"विशिष्ट एक ऐसा अन्तर्वेशित पद (inclusive term) है जिसका तात्पर्य कोई भी ऐसे

बालक से होता है जिसका निष्पादन मानक (norm) से ऊपर या नीचे इस हद तक विचलित होता है कि उसके लिए विशेष शिक्षा के कार्यक्रम की जरूरत होती है।

According to Kirk & Gallagher

"The exceptional child is defined as "the child who deviates from the average or normal child (i) in mental characteristics (ii) in sensory abilities (iii) in neuromotor or physical characteristics (iv) in social behaviour (v) in communication abilities or (vi) in multiple handicaps."

"वैसे बालक जो औसत या सामान्य बालक से (i) मानसिक गुणों में (ii) ज्ञानात्मक क्षमताओं में (iii) न्यूरोमोटर या शारीरिक गुणों में (iv) सामाजिक व्यवहार में (v) संचार क्षमताओं में (vi) बहुविकलांगता में विचलित होते हैं, विशिष्ट बालक कहलाते हैं।"

जे॰ टी॰ हण्ट के अनुसार, "विशिष्ट बालक वे हैं जो शारीरिक, संवेगात्मक या सामाजिक विशेषताओं में सामान्य बालकों से इतने भिन्न हैं कि उनकी क्षमताओं के अधिकतम विकास के लिए विशिष्ट शिक्षा सेवाओं की आवश्यकता होती है।"

इस प्रकार विशिष्ट बालक वैसे बालक होते हैं जो सामान्य या औसत बालक से ऊपर या नीचे की ओर विचलित (deviate) होते हैं। ऐसी श्रेणी में प्रतिभाशाली बालक (gifted children), सर्जनात्मक बच्चे (creative children), मानसिक रूप से मन्द

Page No.
Date / 201

बच्चे (mentally retarded children), शारीरिक रूप से विकलांग बच्चे (physically handicapped children) सम्मिलित होते हैं। ऐसे बच्चे अधिकतम क्षमताओं को विकसित करने सके इसके लिए यह आवश्यक है कि उनके लिए विशेष शिक्षा की व्यवस्था का कार्यक्रम चलाएँ।